14-01-2022

एनएसआई में आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना

▸ संस्थान में डॉक्टर ऑन कॉल उपलब्ध होगा

ही टी एन एन कर्मचारियों की सुविधा के लिये एक प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना की है। इस केंद्र में ऑक्सीजन सिलेण्डर एवं कॉन्सन्ट्रेटर द्वारा ऑक्सीजन की व्यवस्था के अतिरिक्त प्राथमिक चिकित्सा हेतु अन्य उपकरण भी उपलब्ध कराये गये हैं। साथ ही छात्रों की सुविधा के लिये डॉक्टर ऑन कॉल की व्यवस्था भी की गयी है।

इस सन्दर्भ में आज प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की व्यवस्था देखने के लिये निदेशक नरेन्द्र मोहन एवं छात्रावास प्रतिपालक संजय चौहन द्वारा इसका दौरा किया गया एवं सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। संस्थान के निदेशक ने बताया कि चूंकि संस्थान में 14 जनवरी 2022 से शर्करा तकनीकी के छात्रों की परीक्षायें पूर्वनिर्धारित है अतः इसको देखते हुए छात्रों का कोरोना परीक्षण हेतु रैपिड एंटीजन टेस्ट कराये गये हैं। जिसमें 03 छात्र संक्रमित पाये गये हैं जिनके कि 143आर. टी.पी.सी.आर. टेस्ट कराये जा रहे हैं। इसको देखते हुए संस्थान द्वारा हाइब्रिड मोड पर परीक्षाएं कराना सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसमें कोरोना संक्रमित छात्र ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे।

एनएसआई में आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना

आइसोलेशन केंद्र के बाहर मौजूद निदेशक।

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अपने छात्रों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिये प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना की है। इस केंद्र में आक्सीजन सिलेंडर एवं कान्सट्रेंटर द्वारा आक्सीजन की व्यवस्था है। इसके अलावा भी प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था है। छात्रों की सुविधा के लिये डाक्टर आन काल की व्यवस्था की गयी है। आज संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन तथा छात्रावास प्रतिपालक संजय चौहान ने इस केंद्र का दौरा किया। जिसमें संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये। संस्थान में 14 जनवरी से शर्करा तकनीकी की परीक्षाएं निर्धारित हैं। आज संस्थान में रैपिड एंटीजन टेस्ट भी कराये गये, जिसमें तीन छात्र संक्रमित निकले। जिनके अब आरटीपीसीआर टेस्ट कराये जा रहे हैं। संस्थान इसे देखते हुये हाइब्रिड मोड पर परीक्षाएं कराने की तैयारी कर रहा है। जिसमें संक्रमित छात्र आनलाइन परीक्षा देंगे।

प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना की

कानपुर (नगर छाया समाचार)। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने अपने छात्रों, कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा के लिये एक प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना की है। इस केंद्र में ऑक्सीजन सिलेण्डर एवं कॉन्सन्ट्रेटर द्वारा ऑक्सीजन की व्यवस्था के अतिरिक्त प्राथमिक चिकिस्ता हेतु अन्य उपकरण भी उपलब्ध कराये गये हैं। साथ ही छात्रों की सुविधा के लिये डॉक्टर ऑन कॉल की व्यवस्था भी की गयी है।

इस सन्दर्भ में आज प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की व्यवस्था देखने के लिये निदेशक नरेन्द्र मोहन एवं छात्रावास प्रतिपालक श्री संजय चौहान द्वारा इसका दौरा किया गया एवं सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। संस्थान के निदेशक ने बताया कि चूंकि संस्थान में 14 जनवरी 2022 से शर्करा तकनीकी के छात्रों की परीक्षायें पूर्वनिर्धारित है अतः इसको देखते हुए छात्रों का कोरोना परीक्षण हेतु रैपिड एंटीजन टेस्ट कराये गये हैं। जिसमें 03छात्र संक्रमित पाये गये हैं जिनके कि आर.टी.पी.सी.आर. टेस्ट कराये जा रहे हैं। इसको देखते हुए संस्थान द्वारा हाइब्रिड मोड पर परीक्षाएं कराना सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसमें कोरोना संक्रमित छात्र ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे।

एनएसआई के तीन छात्र संक्रमित, आइसोलेशन केंद्र बना

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के तीन छात्र कोरोना संक्रमित मिले हैं। इंस्टीट्यूट में 14 जनवरी से परीक्षाएं होने वाली हैं। इसे देखते हुए छात्रों का रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया गया। निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि जो छात्र संक्रमित मिले हैं, उनकी आरटीपीसीआर जांच के लिए सैंपल भेजा गया है। साथ ही हाईब्रिड मोड पर परीक्षाएं कराई जाएंगी। कोरोना संक्रमित छात्र ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे। बताया कि संस्थान में प्राथमिक चिकित्सा एवं आइसोलेशन केंद्र की स्थापना कर दी गई है। केंद्र में ऑक्सीजन सिलिंडर, ऑक्सीजन कन्संट्रेटर और अन्य उपकरण उपलब्ध रहेंगे। छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए डॉक्टर ऑन कॉल व्यवस्था भी की गई है। (ब्यूरो)

शर्करा संस्थान में तीन छात्र संक्रमित, आज से हाईब्रिड मोड में होंगी परीक्षा

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में तीन छात्र संक्रमित निकले हैं। इसके कारण अब शुक्रवार यानी कल से प्रस्तावित परीक्षाएं ऑनलाइन व हाईब्रिड मोड में कराने का फैसला लिया गया है। इसमें कोरोना संक्रमित या संक्रमण के लक्षण वाले छात्र ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे। छात्रों के संक्रमित पाये जाने के बाद संस्थान ने प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की स्थापना की है। गुरुवार को निदेशक ने तमाम छात्र-छात्राओं, शिक्षक व कर्मचारियों की आरटीपीसीआर जांच भी कराई।

संस्थान में प्राथमिक चिकित्सा व आइसोलेशन केंद्र की स्थापना

निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि संक्रमण से बचाव और छात्रों, कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों की सुविधा के लिये संस्थान में एक प्राथमिक चिकित्सा सह आइसोलेशन केंद्र की पुनर्स्थापना की गई है। इस केंद्र में आक्सीजन सिलेंडर व कंसंट्रेटर के जरिए आक्सीजन की व्यवस्था की गई है। साथ ही प्राथमिक चिकित्सा के अन्य सभी उपकरण उपलब्ध कराए गए है। साथ ही छात्रों की सुविधा के लिए फोन पर ही डाक्टरों को बुलाने की व्यवस्था भी की गई है। निदेशक के साथ ही गुरुवार को छात्रावास प्रतिपालक संजय चौहान ने इस केंद्र का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए। निदेशक ने यह भी बताया कि संस्थान में 14 जनवरी से शर्करा तकनीकी के छात्रों की परीक्षाएं होनी है। इसके चलते विद्यार्थियों की कोरोना परीक्षण के लिए रैपिड एंटीजन जांच कराई गई है। जिसमें तीन छात्र संक्रमित पाए गए है। अब उनका आरटीपीसीआर टेस्ट कराया गया है। संक्रमण रोकने के लिए संस्थान की ओर से परीक्षा को हाईब्रिड मोड पर कराया जाएगा।